भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3847
जिसका उत्तर मंगलवार, 22 दिसम्बर, 2015 को दिया जाना है

भेल

3847. श्री राजेश कुमार दिवाकर:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक को गत समय में उद्यम के वित्तीय निष्पादन के लक्ष्य में सुधार हेतु विस्तारण दिया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या गत दो वर्षों के दौरान भेल का वित्तीय निष्पादन असंतोषजनक रहा है; और

(ग) यदि हां, तो भेल के खराब निष्पादन हेतु दोषी कर्मियों के विरुद्ध सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी० एम० सिद्देश्वर)

(क): भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को उनकी अधिवर्षिता की तारीख 31.12.2013 से 2 वर्ष की अवधि के लिए सेवा-विस्तार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से एक विशेष मामले के रूप में दिया गया था। ऐसा खराब आर्थिक स्थिति के कारण संपूर्ण विद्युत सेक्टर तथा विशेष रूप से बीएचईएल द्वारा सामना की जा रही कठिन स्थिति, जिसके कारण क्रयादेश कम बुक हुए; मुख्य और गौण व्यवसाय, दोनों में त्वरित विविधीकरण कार्यनीति लागू करने की आवश्यकता, जिसके कारण इस महत्वपूर्ण समय पर शीर्ष नेतृत्व को बरकरार रखने की आवश्यकता अपरिहार्य हो गई; को देखते हुए किया गया।

(ख) और (ग): अनेक बाहरी कारक, जो कंपनी के नियंत्रण से बाहर हैं, के कारण खराब व्यावसायिक स्थितियों के परिणामस्वरूप 2013-14 से बीएचईएल के वित्तीय कार्यनिष्पादन में गिरावट आई है, जैसे:

- भूमि, कोयला/ईंधन संपर्क, पर्यावरणीय मंजूरी आदि जैसी समर्थ बनाने वाली आवश्यकताओं की अनुपलब्धता/अधिग्रहण/कमी से संबंधित मामलों/बाधाओं के कारण घरेलू विद्युत सेक्टर के बाजार में नए अवसरों/परिपक्व हो रहे ऑर्डरों में तेजी से कमी आना।
- ग्राहक संबंधी मामलों के कारण ऑर्डरों का स्थगित होना या रोक लिया जाना।
- कमजोर निवेश वातावरण तथा ऋणप्रदाता संस्थाओं की तरफ से वित्तीय रुकावटें।
- भुगतान करने में ग्राहकों की मजबूरियां जिससे कुछ विद्युत परियोजनाओं की प्रगति में रुकावट।
- विदेशी आपूर्तिकर्ताओं/विनिर्माताओं की तुलना में घरेलू उद्योग द्वारा सामना की जारी अवसंरचनात्मक बाधाओं सहित समान अवसर की कमी।
- वैश्विक मंदी, राजनीतिक हलचल, सीरिया और यमन जैसे देशों में सशस्त्र संघर्ष जिससे निर्यात की मांग में कमी आई आदि।

सिकुड़ते बाजार की स्थिति से बाहर आने के लिए, बीएचईएल ने कार्यनीतियां तैयार की हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- ग्राहकों को समग्र ईपीसी समाधान उपलब्ध करवाने के लिए प्रस्ताव देना तथा उपलब्ध करवाना;
- आयातित और घरेलू दोनों प्रकार के कोयले पर फायरिंग करने में सक्षम फ्यूल फ्लेक्सीबल बॉयलरों (संयोजनों की विस्तृत श्रेणी में) का प्रस्ताव देना;
- सुपुर्दगियां देने में समय कम करने के लिए वर्धित मैन्युफैक्चरिंग कौशल (20,000 मेगावाट पावर उपकरण प्रति वर्ष) का लाभ उठाना।
- तकनीकी-वाणिज्यिक इष्टतमीकरण पर कार्य।
- रक्षा, परिवहन, पारेषण और नवीकरणीय ऊर्जा सेगमेंटों जैसे क्षेत्रों में विविधीकरण संबंधी प्रयासों को बढ़ाना।

प्रतिकूल बाहरी स्थितियों के बावजूद, 2014-15 के दौरान बीएचईएल ने इंजीनियरिंग, प्रापण और विनिर्माण (ईपीसी) आधार पर अपने प्रस्तावों को बढ़ा कर विद्युत सेक्टर में अपने कुल ऑर्डरों का 89% अर्जित किया तथा लगातार दो वर्षों तक 72% बाजार भाग बनाए रखा। इस संबंध में, वर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2014-15 के दौरान लगभग 10% वृद्धि के साथ ₹30,814 करोड़ के ऑर्डर प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त, चालू वर्ष 2015-16 के दौरान (नवम्बर 2015 तक), कंपनी के सतत प्रयासों से लगभग ₹27,400 करोड़ के ऑर्डर पहले ही बुक किए जा चुके हैं, जो पिछले वर्ष की संगत अवधि (अर्थात अप्रैल से नवम्बर 2014) के दौरान बुक किए गए ऑर्डरों से लगभग 80% अधिक हैं।

*****